मैं सरकार से यह पूछना चाहती हूँ कि जो विमान मालिक हैं, उनकी कोई जवाबदेही तय होगी कि नहीं? साथ ही, मैं एक और चीज जोड़ना चाह रही हूँ कि हमारे players जाते हैं, except Cricket, बहुत सारे बच्चे जाते हैं, जो नेशनल खेल रहे होते हैं, स्टेट से जा रहे होते हैं। किराया ऑनलाइन दिखता है 4 हजार, लेकिन जब आप बुकिंग कराने जाइए, तो सीधे 4 हजार बढ़ जाता है। मैं यह पूछना चाहती हूँ कि क्या सरकार विमान मालिकों को सब्सिडी दे रही है? ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member Shrimati Ranjeet Ranjan: Shri Manoj Kumar Jha (Bihar), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Neeraj Dangi (Rajasthan), Shrimati Rajani Ashokrao Patil (Maharashtra), Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Shri Haris Beeran (Kerala).

Now, Shri Dhairyashil Mohan Patil - Demand to lift ban on POP idols imposed by the Central Pollution Control Board.

Demand to lift ban on PoP idols imposed by the Central Pollution Control Board

श्री धैर्यशील मोहन पाटिल (महाराष्ट्र) : आदरणीय उपसभापति महोदय, महाराष्ट्र में गणेश उत्सव बड़े भक्ति भाव से मनाया जाता है। इस राज्य में गणेश जी की लाखों मूर्तियाँ बनती हैं। ये न केवल पूजन के लिए उपयोग में आती हैं, बल्कि इनसे बहुत बड़ा रोजगार भी मिलता है। महाराष्ट्र में मूर्ति बनाने वालों के 20 हजार कारखाने हैं, जिनमें 2-3 लाख कलाकार/मूर्तिकार काम करते हैं। अब केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्ति पर प्रतिबंध लगाया है। इस निर्णय से कई हजारों-लाखों मेहनतकश मूर्तिकारों का रोजगार संकट में आया है।

उपसभापति महोदय, गणेश जी की मूर्ति मुख्य रूप से प्लास्टर ऑफ पेरिस से ही बनती है। यह वही प्लास्टर ऑफ पेरिस है, जिसे हम यहाँ दीवार पर प्लास्टर के लिए लगाते हैं। पीओपी से बनी हुई मूर्तियाँ अत्यंत सुगठित, सुंदर, मजबूत और यातायात करने के लिए बहुत ही हल्की होती हैं। उपसभापति महोदय, NPCB ने यह तर्क दिया है कि पीओपी की मूर्ति से प्रदूषण होता है, लेकिन कई वैज्ञानिक यह दावा करते हैं कि यहाँ पर बिल्कुल प्रदूषण नहीं होता है। पीओपी एक खनिज है, जो प्राकृतिक रूप में पाया जाता है, जिसे जिप्सम बोलते हैं। कृषि क्षेत्र में भू-सुधारक के रूप में भी इसका उपयोग होता है। अगर प्लास्टर ऑफ पेरिस से कुछ हद तक प्रदूषण होता भी है, तो प्रदूषण का नियंत्रण करना चाहिए, प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। यहाँ पर पर्यावरण और रोजगार निर्माण के बीच balance बनाना बहुत जरूरी है। जब हम प्रगति की ओर बढ़ते हैं, तो कठिनाइयाँ तो आती हैं, लेकिन आधुनिकीकरण के उपायों से उसका उपचार करना चाहिए। उपसभापति

महोदय, 30-40 साल पहले 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे के हिसाब से गाड़ियाँ चलती थीं। उस वक्त भी accidents होते थे, लेकिन गाड़ी पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया। Technology में सुधार लाया गया, रास्ते अच्छे किए गए, ड्राइवरों को प्रशिक्षण दिया गया और technology के सहारे गाड़ी पर प्रतिबंध न लगाते हुए सुधार करने की कोशिश की गई। उपसभापति महोदय, मूर्तिकारों पर प्रतिबंध लगा कर उनका रोजगार नष्ट नहीं करना चाहिए। मैं यह बोलूँगा कि हम मूर्तियों की विसर्जन प्रक्रिया में सुधार ला सकते हैं, पीओपी का biological disintegration कैसा हो, हम यह देख सकते हैं। इसके लिए अनेक उपाय किए जा सकते हैं, जिनसे यहाँ पर थोड़ा-बहुत होने वाला प्रदूषण control में लाया जा सके।

उपसभापति महोदय, मैं यही विनती करता हूँ कि जो रोजगार मूर्तिकारों ने अपने खुद के बलबूते पैदा किया है, मेहनतकश लोगों ने महाराष्ट्र में जो 4-5 लाख लोगों का रोजगार बनाया है, वह नष्ट नहीं होना चाहिए। मैं इस सदन से यही विनती करता हूँ कि अलग-अलग तरीके सोचे जाएँ, जिनसे प्रदूषण पर नियंत्रण हो और प्रतिबंध को हटाया जाए। मूर्तिकारों ने खुद के बलबूते यहाँ पर जो व्यवसाय develop किया है, उसको यह सदन संरक्षण दे, यह मेरी विनती है। ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Dhairyashil Mohan Patil: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra) and Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra).

Now, Shri Sandosh Kumar P. - Need to address the problems faced by the bank employees.

Need to address the problems faced by Bank employees

SHRI SANDOSH KUMAR P (Kerala): Sir, the United Forum of Bank Unions, an umbrella organisation consisting nine unions, has given a call for 48-hour bank strike on the 24th and 25th of this month. These organisations jointly represent more than eight lakh employees and officers in the banking sector. So, it is going to affect the banking sector, and I take this opportunity to request, through you, Sir, the Finance Minister to very seriously look into this matter and address the genuine concerns raised by these unions. The banks' nationalisation of 1969 was one of the landmark legislations in India's history. Now, coming to the point, the bank employees, especially in the public sector banks, are facing a lot of problems. The number one issue is the shortage of adequate number of staff in the public sector banks. At present, it is estimated that more than 2,11,000 posts are lying vacant in staff cadre only. This adversely affects the mental health of the workers also. They get